

खंड क : (15 x 1 = 15)

- 1-B
- 2-C
- 3-D
- 4-B
- 5-D
- 6-A
- 7-C
- 8-B
- 9- A
- 10-C
- 11-D
- 12-C
- 13-B
- 14-B
- 15-D

खंड ख : (2 x 2 = 4)

- 16) अ) खरगोश तेज़ चलता है।
आ) पेड़ के नीचे गाय है।
17. अ) उपहार
आ) भारत

खंड ग : (2 x 4 = 8)

18 ज. 'थाथू और मैं' कहानी हमें परिवार के महत्व, बड़ों (विशेषकर दादा-दादी) के प्रति प्रेम, आदर और उनके साथ समय बिताने के मूल्य सिखाती है। यह दर्शाती है कि बच्चों के विकास में बड़ों का प्यार और साथ कितना आवश्यक है।

19 ज. अगर मैं सैनिक होता, तो मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी से सीमा पर अपने देश की रक्षा करता। मैं किसी भी शत्रु को अपने देश की ओर आँख उठाकर देखने नहीं देता और आवश्यकता पड़ने पर देश के लिए अपने प्राण भी न्योछावर कर देता।

खंड घ : (1 × 8 = 8)

20.ज. परिचय: यह कविता "हम नन्हें बच्चे" सोहनलाल द्विवेदी जी द्वारा रचित है, जिसमें बालकों के माध्यम से देशभक्ति और अदम्य साहस का वर्णन किया गया है।

पाठ का नाम : हम नन्हें बच्चे

कवि का नाम : श्री सोहनलाल द्विवेदी

विधा : कविता

Hamari-hindi.com

विवरण: बच्चे उम्र में छोटे हैं, लेकिन हिम्मत और लगन में बड़े हैं। वे भारत माता की जय-जयकार करते हुए तिरंगे को ऊँचा रखना चाहते हैं। वे कठिनाइयों से नहीं डरेंगे और आवश्यकता पड़ने पर देश के लिए अपने प्राण भी न्योछावर कर देंगे।

विशेषता: यह कविता बच्चों के भीतर राष्ट्रप्रेम, निडरता और मातृभूमि के प्रति सर्वस्व अर्पण करने की भावना को बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत करती है।

(अथवा)

B) परिचय: 'चिड़ियाघर की सैर' एक मनोरंजक चित्रकथा है, जिसमें पशु-पक्षियों का वर्णन किया गया है।

सारांश: रविवार को गीता अपने परिवार के साथ चिड़ियाघर जाती है। वहाँ वह शेर, लंगूर, गैंडा, जिराफ़, मछलियाँ, बत्तख, मगरमच्छ, कछुआ, तोता, कातुआ, शुतुरमुर्ग, हाथी और ऊँट आदि देखती है। हाथी और ऊँट की सवारी करने के बाद वे आइसक्रीम खाकर खुशी-खुशी घर लौटते हैं।

विशेषता: यह पाठ बच्चों में पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम और प्रकृति के प्रति जागरूकता पैदा करता है।

प्रधानाध्यापक के हस्ताक्षर

हिंदी अध्यापक/अध्यापिका के हस्ताक्षर